एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

बगीचों एवं समस्या ग्रस्त मृदा का नमूना लेना

(*हेमराज नागर एवं यश नारायण शर्मा)
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)-313001
* hemrajdhakad444@gmail.com

बगीचा लगाने हेतु मृदा जांच के लिए मृदा नमूना कैसे लेवे

फलदार वृक्षों की अच्छी फसल अब मृदा के भौतिक रासायनिक गुणों तथा उर्वरता स्तर पर निर्भर होती है इसलिए बगीचा लगाने से पहले मृदा परीक्षण आवश्यक होता है इनके लिए मृदा नमूना निम्न प्रकार से एकत्रित करते हैं।

(1) एक गड्ढा 1.80 मीटर गहरा खोदकर इसकी एक दीवार को समतल बना लेते हैं और इस पर 15, 30, 60, 90, 120, 150,180 सेंटीमीटर गहराइयों पर निशान लगा देते हैं।

(2) लवणीय मृदा से नमूना एकत्रित करने की विधि की तरह 0-15 ,15-30, 30-60, 60-90,90-120 120-150, तथा 150-180 गहराइयों अलग-अलग एकत्रित लेते हैं।

(3) यदि कोई कठोर परत गड्ढे में उपस्थित है तो इसमें से अलग नमूना एकत्रित करते हैं और इसकी गहराई तथा मोटाई लिख लेते हैं।

(4) प्रत्येक गहराई के मृदा नमूने को अलग-अलग थैली में भर लेते हैं।

(5) प्रत्येक थैली में एक लेबल लगा लेते हैं जिस पर सतह की गहराई, किसान का नाम, गांव का नाम, खेत की संख्या आदि सूचना लिख देते हैं।

ऊसर मृदा सुधार हेतु मृदा नमूना लेना

ऊसर मृदा के लिए नमूने अप्रैल या मई में लेना चाहिए क्योंकि इन मृदा में धान की फसल पहले लेनी होती है गेहूं उगाने वाले चित्र में नमूने मार्च-अप्रैल में लेने चाहिए। इस समय लवण मृदा की ऊपरी सतह पर इकट्ठा हो जाते हैं। वर्षा के तुरंत बाद नमूने नहीं लेने चाहिए क्योंकि वर्षा में विलय लवण नीचे की सतह में चले जाते हैं। जहां तक संभव हो, नमूना ऐसे स्थान से लिया जावे जो लवण प्रभावित संपूर्ण क्षेत्र का प्रतीक हो। साधारणतया ऊसर भूमि के निदान के लिए ऑगर या 90 सेंटीमीटर का गहरा गड्ढा खोदकर मृदा नमूना लेना चाहिए

ऊसर मृदा के लिए नमूना लेने की विधि

1. गड्ढे की एक तरफ की दीवार को समतल करके 15, 30, 60 तथा 90 सेंटीमीटर की गहराइयों तक निशान लगा देते हैं।

2. एक छोटी बाल्टी 15 सेंटीमीटर के निशान के नीचे लगाकर उसमें मृदा सतह से इस निशान तक (15 सेंटीमीटर गहराई) 1.5-2 सेंटीमीटर के मोटी परते काट कर एकत्रित करते हैं इस मिट्टी को साफ कपड़े की थैली में एकत्रित करके लेबल पर 0-15 सेंटीमीटर लिखकर थेली में डाल देते हैं
3. इसी प्रकार निम्न सतहो 15-30, 30-60 तथा 60-90 सेमी की गहराइयों से आधा-आधा किलो ग्राम मृदा एकत्रित करते हैं और अलग-अलग पॉलिथीन बैग में एकत्रित कर लेते हैं
4. पृष्ठ पपड़ी को अलग से मृदा नमूना के लिए एकत्रित करते हैं।
5. प्रत्येक पॉलिथीन बैग पर लेबल जिस पर मृदा की गहराई, किसान का नाम, जलस्तर, सिंचाई का स्रोत आदि सूचनाएं लिखी होती है दूसरा लेबल पॉलिथीन बैग से बाहर बांधते हैं।

मृदा नमूना एकत्रित करने में सावधानियां :-

1. खेत के कोने, मेड, उर्वरक के ढेर, वृक्षों तथा मकानों के नजदीक से मृदा नमूना नहीं ले ।
2. खड़ी फसल में नमूना नहीं लेवे।
3. नमूना एकत्रित करने के लिए साफ उपकरण एवं थैलियों का प्रयोग करें।
4. वर्षा ऋतु में नमुना नहीं लेवे।
5. मृदा नमूने की मात्रा आधा किलो से कम ना हो ।
6. फसल बुवाई के 20 से 30 दिन पूर्व नमूना ले ताकि विश्लेषण के परिणाम बुवाई से पहले प्राप्त हो सके ।
7. फल बगीचों एवं समस्या ग्रस्त मृदा का नमूना विशिष्ट विधि से लें ।